

[Jharkhand Freedom of Religion] Bill, 2017

A Bill to provide for prohibition of conversion from one religion to another by the use of force or allurement or by fraudulent means and for matters incidental thereto.

Be it enacted by the Jharkhand Legislature in the Sixty Seventh year of the Republic of India as follows:

1. *Short title, extent and commencement.*

- (1) This Bill may be called the Jharkhand Dharma Swatantra Adhiniyam [Jharkhand Freedom of Religion Act, 2017]
- (2) It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.
- (3) It shall come into force from the date of its issuance.

2. *Definitions.*

In this Bill unless the context otherwise requires;

- (a) 'allurement' means offer of any temptation in the form of
 - (i) any gift or gratification either in cash or kind;
 - (ii) grant of any material benefit, either monetary or otherwise;
- (b) 'Conversion' means renouncing one religion and adopting another;
- (c) Convert means to make one person to renounce one religion and adopt another religion;
- (d) 'Force' shall include a show of force or threat of injury of any kind including threat of divine displeasure or social ex-communication.
- (e) 'Fraud' shall include misrepresentation or any other fraudulent contrivance;
- (f) 'Indigenous faith' means such religions, belief and practices including rites, rituals, festivals. Observance, performances, abstinence, customs as have been found sanctioned, approved, performed by the Scheduled Tribe communities of Jharkhand from the time these communities have been known.
- (g) 'minor' means a person under eighteen years of age.
- (h) 'religious faith' means faith related to religion, which also includes indigenous faith.

3. *Prohibition of forcible conversion.*

No person shall convert to attempt to convert, either directly or otherwise, any person from one religion/ religious faith to another by the use of force or by allurement or by any fraudulent means, nor shall any person abet any such conversion.

4. *Punishment for contravention of the provision of section 3.*

Any person contravening the provision contained in section 3 shall, without prejudice to any civil liability be punishable with imprisonment which may extend to three years or with fine which may extend to fifty thousand rupees or with both;

Provided that in case the offence is committed in respect of a minor, a woman or a person belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes, the punishment shall be imprisonment to the extent of four years and fine up to one hundred thousand rupees (one lakh rupees);

5. *Prior permission for conversion.*

(1) Whoever converts any person from one religion/ religious faith to another, either by performing any ceremony by himself for such conversion as a religious priest or takes part directly or indirectly in such ceremony shall take prior permission for such proposed conversion from the District Magistrate concerned by applying in such form as may be prescribed by rules.

(2) The person who is converted shall send intimation to the District Magistrate of the District concerned in which the ceremony has taken place of the fact of such conversion within such period and in such form as may be prescribed by rules.

(3) Whoever fails without sufficient cause, to comply with the provisions of sub-section (1) and (2) shall be punished with imprisonment for a term which may extend to one year or with fine which may extend to rupees five thousand or with both.

6. *Offence to be cognizable*

An offence under this Act shall be cognizable and non bailable. Such cases shall not be investigated by an officer below the rank of an Inspector of Police.

7. *Prosecution Sanction:-*

No prosecution for an offence under this Act shall be instituted except by, or with the previous sanction of the District Magistrate or such other Authority, not below the rank of a Sub-Divisional Officer, as may be authorized by him in that behalf.

8. *Power to make rules.*

The State Government may make rules for the purpose of carrying out the provisions of this Act.

झारखण्ड सरकार
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2017

बल प्रयोग, प्रलोभन या कपटपूर्ण साधन का उपयोग करते हुए एक धर्म से दूसरे धर्म में धर्मान्तरण तथा इससे जुड़े आनुषांगिक मामलों के प्रतिषेध का उपबन्ध करने हेतु विधेयक।

भारतीय गणराज्य के सड़सठवें वर्ष में झारखण्ड राज्य विधानमंडल द्वारा यह निम्नलिखित रूप में अधिनियमित हो:-

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारंभ**

- (1) यह विधेयक झारखण्ड धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 2017 कहलायेगा।
- (2) इसका विस्तार संपूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा।
- (3) यह निर्गत होने की तिथि से प्रवृत्त होगा।

2. **परिभाषाएँ :-** जबतक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित नहीं हो, तबतक इस विधेयक में :-

(क) 'प्रलोभन' से अभिप्रेत है निम्नलिखित रूप में किसी लालच का प्रस्ताव-

- i) नगद या वस्तु के रूप में कोई उपहार या परितोषण,
- ii) कोई सामग्री लाभ, आर्थिक या अन्यथा देना;

(ख) 'धर्मान्तरण' से अभिप्रेत है एक धर्म छोड़कर दूसरा धर्म अंगीकार करना,

(ग) 'धर्मान्तरित' से अभिप्रेत है किसी व्यक्ति का एक धर्म छोड़ना और दूसरा धर्म अंगीकार करना,

(घ) 'बल प्रयोग' के अन्तर्गत बल-प्रदर्शन या किसी प्रकार की क्षति पहुंचाने की धमकी, जिसमें दैवी अप्रसाद या सामाजिक बहिष्कार की धमकी सम्मिलित हैं, शामिल होंगे,

(ङ) 'कपट' में दुर्व्यपदेशन या कोई अन्य कपटपूर्ण उपाय सम्मिलित होगा;

(च) 'देशी आस्था' से अभिप्रेत है ऐसा धर्म, विश्वास एवं परम्पराएँ जिनमें धार्मिक अनुष्ठान, कर्मकांड, पर्व-त्योहार, अनुसरण, प्रदर्शन, वर्जना, प्रथाएँ जैसा कि झारखण्ड में अनुसूचित जनजाति समुदायों के द्वारा स्वीकृत, मान्य तथा व्यवहार्य हैं, जब से ऐसे समुदाय जाने जाते हैं,

(छ) 'अप्राप्त वय' से अभिप्रेत है अठारह वर्ष से कम उम्र का कोई व्यक्ति;

(ज) 'धार्मिक आस्था' से अभिप्रेत है धर्म से जुड़ी आस्था, जिसमें देशी आस्था भी सम्मिलित है।

3. **बलपूर्वक धर्मान्तरण का प्रतिषेध :-**

कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति को प्रत्यक्षतः या अन्यथा बलपूर्वक, प्रलोभन या किसी कपटपूर्ण साधन के द्वारा एक धर्म/धार्मिक आस्था से दूसरे में धर्मान्तरित नहीं करेगा या करने का प्रयास नहीं करेगा, न ही ऐसे धर्मान्तरण का दुष्प्रेरण करेगा।

4. **धारा-3 के उपबन्ध के उल्लंघन के लिए दंड-**

धारा-3 में अन्तर्विष्ट उपबन्ध का उल्लंघन करने वाला कोई व्यक्ति किसी नागरिक दायित्व पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना तीन वर्षों तक कारावास अथवा पचास हजार रुपये तक जुर्माना अथवा दोनों से दंडनीय होगा;

परन्तु यदि यह अपराध अप्राप्त वय, महिला या अनुसूचित जाति या जनजाति के व्यक्ति के प्रति किया गया है तो कारावास चार वर्षों तक और जुर्माना एक लाख रुपये तक होगा।

विषय:-

“झारखण्ड धर्म स्वतंत्र विधेयक, 2017 (Jharkhand Freedom of Religion Bill, 2017)” के संबंध में।

सरकार को विभिन्न स्रोतों से सूचना प्राप्त हो रही है कि कतिपय जिलों के सुदूर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आम जनता का धर्मान्तरण एक धर्म से दूसरे धर्म में जबर्दस्ती या धोखे से अथवा प्रलोभन देकर किया जा रहा है। अतः इस प्रकार के धर्मान्तरण पर रोक लगाने हेतु उपयुक्त विधेयक लाया जाना आवश्यक प्रतीत हो रहा है ताकि असामाजिक एवं स्वार्थी तत्वों द्वारा गाँव के गरीब, अनपढ़ एवं समाज के पिछड़े व्यक्तियों का जबर्दस्ती, धोखे से अथवा प्रलोभन देकर धर्मान्तरण पर रोक लगायी जा सके एवं सभी लोग अपने-अपने धर्म का पालन अपनी इच्छानुसार करने में स्वतंत्र रह सकें। यह विधेयक सामान्य विधि व्यवस्था एवं लोक शांति कायम रखने में मददगार होगा एवं असामाजिक तत्वों द्वारा समाज में अनावश्यक तनाव की स्थिति पैदा करने के प्रयत्नों को विफल करेगा।

अतः उपरोक्त के आलोक में जबर्दस्ती, धोखे से अथवा प्रलोभन देकर किसी व्यक्ति को अपने धर्म से किसी अन्य धर्म में धर्मान्तरण को रोकने, अंकुश लगाने तथा दोषियों को सजा देने के लिए झारखण्ड धर्म स्वतंत्र अधिनियम, 2017 को पारित किया जाना आवश्यक है।

2. अतएव “झारखण्ड धर्म स्वतंत्र विधेयक, 2017 (Jharkhand Freedom of Religion Bill, 2017)” को गठित करने का प्रस्ताव है।

3. इस विधेयक को अधिनियमित करने हेतु विधेयक का प्रारूप संलग्न है। (परिशिष्ट 'क' (अंग्रेजी में) एवं परिशिष्ट 'ख' (हिन्दी में))

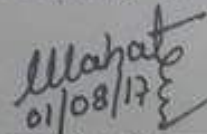
4. प्रस्ताव एवं विधेयक प्रारूप पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग का परामर्श प्राप्त है।

5. प्रस्ताव एवं विधेयक प्रारूप पर योजना-सह-वित्त विभाग की सहमति प्राप्त है।

6. प्रस्ताव एवं विधेयक प्रारूप विधि विभाग द्वारा विधिक्षित है।

7. प्रस्ताव एवं संलेख प्रारूप में विभागीय मंत्री का अनुमोदन प्राप्त है।

8. संलेख के कंडिका 2 एवं 3 में अन्तर्निहित प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद की स्वीकृति प्रार्थित है।

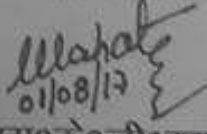

01/08/17
(एस0के0जी0रहाटे)

प्रधान सचिव

झापांक-08/विधि(01)-53/2017.....4475/

राँची, दिनांक-01/08/2017 ई0

प्रतिलिपि:- 35 (पैंतीस) अतिरिक्त प्रतियों के साथ मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय), झारखण्ड, राँची को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।


01/08/17
(एस0के0जी0रहाटे)

प्रधान सचिव